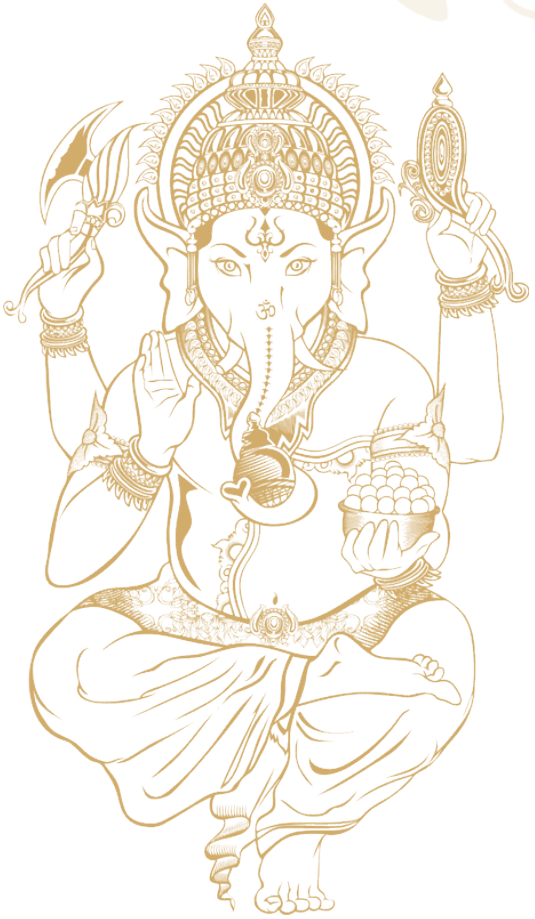

# Manisha

22 Aug 2000

04:00 AM

Vadodara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121890804

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **21-22/08/2000** |
| दिन | सोम-मंगलवार |
| **जन्म समय** | **04:00:00 घंटे** |
| इष्ट | 54:18:50 घटी |
| **स्थान** | **Vadodara** |
| राज्य | Gujarat |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 22:19:00 उत्तर |
| रेखांश | 73:14:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:37:04 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 03:22:56 घंटे |
| वेलान्तर | -00:03:06 घंटे |
| साम्पातिक काल | 01:25:07 घंटे |
| सूर्योदय | 06:16:27 घंटे |
| सूर्यास्त | 19:03:22 घंटे |
| दिनमान | 12:46:55 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | वर्षा |
| सूर्य के अंश | 05:16:58 सिंह |
| लग्न के अंश | 04:10:25 कर्क |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | कर्क - चन्द्र |
| **राशि-स्वामी** | **मेष - मंगल** |
| **नक्षत्र-चरण** | **भरणी - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | शुक्र |
| योग | ध्रुव |
| करण | बव |
| गण | मनुष्य |
| योनि | गज |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | चतुष्पाद |
| वर्ग | मृग |
| युँजा | पूर्व |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | लो-लोचन |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | ताम्र - स्वर्ण |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | सिंह |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | कर्क | 04:10:25 | 316:21:16 | पुष्य | 1 | 8 | चंद्र | शनि | शनि | --- |
| सूर्य | | | सिंह | 05:16:58 | 00:57:48 | मघा | 2 | 10 | सूर्य | केतु | मंगल | मूलत्रिकोण |
| चंद्र | | | मेष | 24:30:37 | 13:33:10 | भरणी | 4 | 2 | मंगल | शुक्र | बुध | सम राशि |
| मंगल | | | कर्क | 19:34:27 | 00:38:22 | आश्लेषा | 1 | 9 | चंद्र | बुध | शुक्र | नीच राशि |
| बुध | | अ | सिंह | 05:10:20 | 01:59:20 | मघा | 2 | 10 | सूर्य | केतु | मंगल | मित्र राशि |
| गुरु | | | वृष | 15:01:05 | 00:06:59 | रोहिणी | 2 | 4 | शुक्र | चंद्र | गुरु | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | सिंह | 24:49:35 | 01:13:42 | पू०फाल्गुनी | 4 | 11 | सूर्य | शुक्र | बुध | शत्रु राशि |
| शनि | | | वृष | 06:42:09 | 00:02:17 | कृतिका | 4 | 3 | शुक्र | सूर्य | बुध | मित्र राशि |
| राहु | व | | कर्क | 00:11:26 | 00:01:13 | पुनर्वसु | 4 | 7 | चंद्र | गुरु | चंद्र | शत्रु राशि |
| केतु | व | | मक | 00:11:26 | 00:01:13 | उत्तराषाढ़ा | 2 | 21 | शनि | सूर्य | राहु | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | मक | 24:33:37 | 00:02:20 | धनिष्ठा | 1 | 23 | शनि | मंगल | राहु | --- |
| नेप | व | | मक | 10:39:52 | 00:01:27 | श्रवण | 1 | 22 | शनि | चंद्र | चंद्र | --- |
| प्लूटो | | | वृश्चि | 16:17:26 | 00:00:02 | अनुराधा | 4 | 17 | मंगल | शनि | गुरु | --- |
| दशम भाव | | | मीन | 29:08:12 | -- | रेवती | -- | 27 | गुरु | बुध | शनि | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:42

## लग्न-चलित

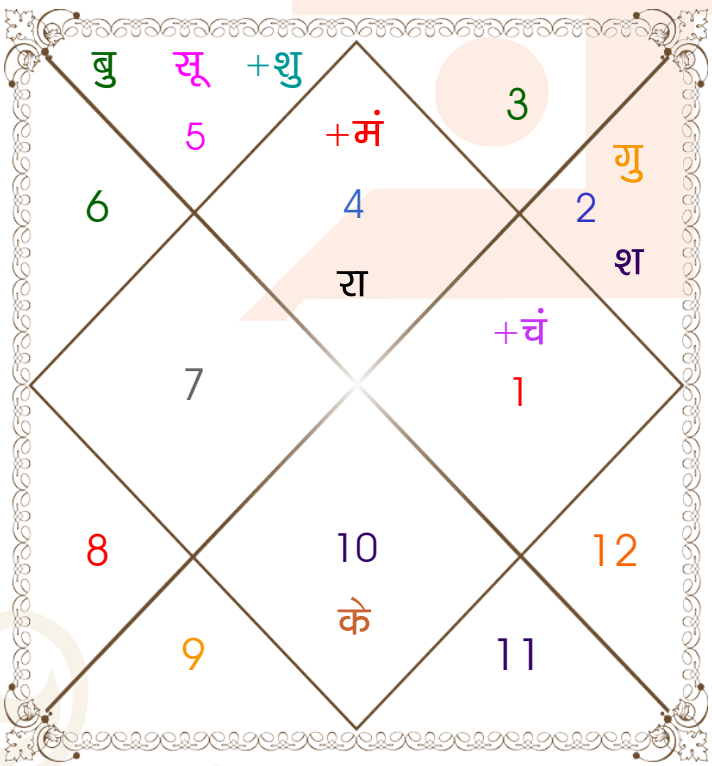


## चन्द्र कुंडली

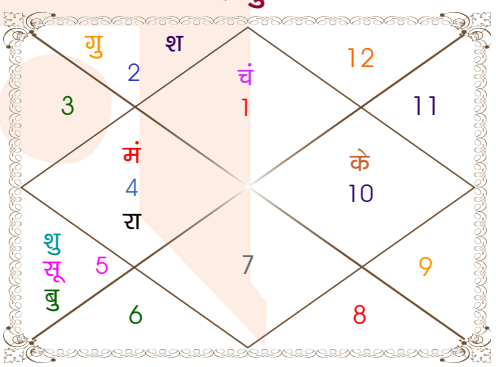


## नवमांश कुंडली

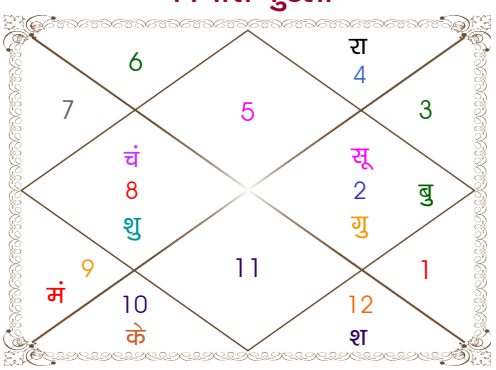

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 2 मास 24 दिन

| शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 22/08/2000 | | 16/11/2003 | | 16/11/2009 | | 16/11/2019 | | 16/11/2026 | |
| 16/11/2003 | | 16/11/2009 | | 16/11/2019 | | 16/11/2026 | | 15/11/2044 | |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 05/03/2004 | चंद्र | 16/09/2010 | मंगल | 13/04/2020 | राहु | 29/07/2029 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 03/09/2004 | मंगल | 17/04/2011 | राहु | 02/05/2021 | गुरु | 23/12/2031 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 09/01/2005 | राहु | 16/10/2012 | गुरु | 08/04/2022 | शनि | 29/10/2034 |
| | 00/00/0000 | राहु | 04/12/2005 | गुरु | 15/02/2014 | शनि | 17/05/2023 | बुध | 17/05/2037 |
| | 00/00/0000 | गुरु | 22/09/2006 | शनि | 16/09/2015 | बुध | 14/05/2024 | केतु | 04/06/2038 |
| | 00/00/0000 | शनि | 04/09/2007 | बुध | 15/02/2017 | केतु | 10/10/2024 | शुक्र | 04/06/2041 |
| | 22/08/2000 | बुध | 10/07/2008 | केतु | 16/09/2017 | शुक्र | 10/12/2025 | सूर्य | 29/04/2042 |
| बुध | 16/09/2002 | केतु | 15/11/2008 | शुक्र | 17/05/2019 | सूर्य | 17/04/2026 | चंद्र | 29/10/2043 |
| केतु | 16/11/2003 | शुक्र | 16/11/2009 | सूर्य | 16/11/2019 | चंद्र | 16/11/2026 | मंगल | 15/11/2044 |

| गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 15/11/2044 | | 15/11/2060 | | 16/11/2079 | | 15/11/2096 | | 17/11/2103 | |
| 15/11/2060 | | 16/11/2079 | | 15/11/2096 | | 17/11/2103 | | 00/00/0000 | |
| गुरु | 04/01/2047 | शनि | 19/11/2063 | बुध | 14/04/2082 | केतु | 13/04/2097 | शुक्र | 19/03/2107 |
| शनि | 17/07/2049 | बुध | 29/07/2066 | केतु | 11/04/2083 | शुक्र | 14/06/2098 | सूर्य | 18/03/2108 |
| बुध | 23/10/2051 | केतु | 07/09/2067 | शुक्र | 09/02/2086 | सूर्य | 19/10/2098 | चंद्र | 17/11/2109 |
| केतु | 28/09/2052 | शुक्र | 07/11/2070 | सूर्य | 16/12/2086 | चंद्र | 20/05/2099 | मंगल | 17/01/2111 |
| शुक्र | 30/05/2055 | सूर्य | 20/10/2071 | चंद्र | 17/05/2088 | मंगल | 17/10/2099 | राहु | 16/01/2114 |
| सूर्य | 17/03/2056 | चंद्र | 20/05/2073 | मंगल | 14/05/2089 | राहु | 04/11/2100 | गुरु | 16/09/2116 |
| चंद्र | 17/07/2057 | मंगल | 29/06/2074 | राहु | 01/12/2091 | गुरु | 11/10/2101 | शनि | 17/11/2119 |
| मंगल | 23/06/2058 | राहु | 05/05/2077 | गुरु | 08/03/2094 | शनि | 20/11/2102 | बुध | 23/08/2120 |
| राहु | 15/11/2060 | गुरु | 16/11/2079 | शनि | 15/11/2096 | बुध | 17/11/2103 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 2 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझी जाएंगी। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगी। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करती हैं। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगी। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करेंगी तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगी। आपको धर्मस्थलों तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगी। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगी।

आप शारीरिक रूप से लम्बी, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगी। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकती हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देती हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाती हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेती हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेती हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपने पति से सम्बंधित रहेंगी। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगी।

आप अपना विवाह सुयोग्य पति के साथ करने की प्राथमिकता देंगी ताकि अच्छी सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो।

आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना,

सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी।

आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाला मोतिया एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।